आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 03 लखनऊ, मंगलवार 21 अप्रैल 2026 सा 27 अप्रैल 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

भारत और दक्षिण कोरिया की नई जुगलबंदी, Defence, AI और Chip Making पर हुई Mega Deal

नई दिल्ली। सोमवार को भारत और दक्षिण कोरिया के रिश्तों में एक नया अध्याय जुड़ता नजर आया, जब दोनों देशों ने आपसी सहयोग को और मजबूत करने के लिए कई

महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर नरेंद्र मोदी और ली जे म्युंगने संयुक्त बयान भी जारी किया है। बता दें कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है, जिसे दोनों देशों के संबंधों के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बयान में कहा कि राष्ट्रपति ली का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही यह उनकी पहली भारत यात्रा है, लेकिन भारत के प्रति उनका जुड़ाव पहले से ही दिखाई देता रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने इस यात्रा को दोनों देशों के बीच संबंधों को एक नए और उन्नत स्तर पर ले जाने वाला कदम बताया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, भारत और दक्षिण कोरिया के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों, बाजार आधारित व्यवस्था और कानून के शासन को लेकर समान सोच है। इसके साथ ही हिंद–प्रशांत क्षेत्र को लेकर भी दोनों देशों का दृष्टिकोण काफी हद तक मेल खाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में दोनों देशों के रिश्ते और अधिक व्यापक और सक्रिय हुए हैं और अब इन्हें भविष्य की जरूरतों के हिसाब से और मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि चिप निर्माण से लेकर जहाज निर्माण, प्रतिभा से लेकर तकनीक, पर्यावरण से लेकर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों की तलाश की जाएगी, जिससे दोनों देशों की प्रगति सुनिश्चित हो सके। वहीं, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने भी द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देश मौजूदा करीब २५ अरब डॉलर के वार्षिक व्यापार को वर्ष २०३० तक बढ़ाकर लगभग ५० अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रख रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, दोनों देशों ने जहाज निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वित्त और रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई है। बता दें कि दोनों पक्षों ने सांस्कृतिक आदान–प्रदान और लोगों के बीच संपर्क को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया है, ताकि रिश्ते केवल सरकारी स्तर तक सीमित न रहकर आम जनता तक भी मजबूत हों। गौरतलब है कि भारत और दक्षिण कोरिया के बीच आर्थिक संबंधों को २०१० में व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लागू होने के बाद नई गति मिली थी। इसके बाद से व्यापार और निवेश में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली। मौजूद जानकारी के अनुसार, दोनों देशों ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने का भी संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि साझा प्रयासों के जरिए दोनों देश इस क्षेत्र में शांति और प्रगति को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते रहेंगे।

जयप्रकाश एसोसिएट्स मामले में नया मोड़, वेदांता पर बोली की जानकारी लीक करने का संगीन आरोप

नई दिल्ली। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में जयप्रकाश एसोसिएट्स के समाधान मामले की सुनवाई तेज हो गई है, जिसमें कर्जदाताओं ने वेदांता पर अंतिम समय के बाद बोली संशोधित करने का आरोप लगाया है। वहीं, वेदांता ने बोली प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी का दावा करते हुए अदानी एंटरप्राइजेज की जीत को चुनौती दी है, जिससे पचास हजार करोड़ के दिवालियापन समाधान पर अनिश्चितता बढ़ गई है। बता दें कि कर्जदाताओं की समिति ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के सामने कहा कि संभव है कि जानकारी लीक होने के कारण वेदांता लिमिटेड ने अपनी बोली में बदलाव किया। समिति की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वेदांता शुरुआती मापदंडों में पीछे थी, लेकिन बाद में उसने अचानक अपनी बोली में सुधार किया, जिससे संदेह पैदा हुआ है। गौरतलब है कि यह सुनवाई न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ में हो रही है, जहां वेदांता ने अदानी इंटरप्राइजेज को सर्वोच्च बोलीदाता घोषित किए जाने को चुनौती दी है। समिति का कहना है कि बोली की अंतिम समय सीमा के बाद वेदांता ने संशोधित प्रस्ताव दिया, जिसे नियमों के तहत स्वीकार नहीं किया जा सकता था। मौजूद जानकारी के अनुसार, समिति के एक प्रमुख सदस्य ने भी कहा कि अगर इस संशोधित प्रस्ताव को स्वीकार किया जाता है तो पूरी प्रक्रिया फिर से शुरू करनी पड़ेगी, जिससे समाधान में देरी होगी। वहीं समिति के वकीलों का कहना है कि बोली प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही वेदांता ने नया प्रस्ताव पेश किया, जब उसे लगा कि वह सफल नहीं हो पाएगी। हालांकि, वेदांता की ओर से इन आरोपों को खारिज

किया गया है। कंपनी के वकील ने कहा कि उन्होंने सभी दस्तावेज अदालत में पेश किए हैं और किसी भी तरह की जानकारी छुपाई नहीं गई है। साथ ही, वेदांता ने यह भी आरोप लगाया है कि बोली प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी रही और उसके प्रस्ताव को नजरअंदाज किया गया। गौरतलब है कि इस मामले की अगली सुनवाई २१ अप्रैल को तय की गई है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जानकारी लीक होने की बात साबित होती है तो यह वेदांता के पक्ष को मजबूत कर सकती है, क्योंकि इससे समान अवसर न मिलने का मुद्दा उठ सकता है। बता दें कि जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड वर्ष २०२४ में दिवालिया प्रक्रिया में शामिल हुई थी और उस पर करीब ५० हजार करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। इस कंपनी की संपत्तियों में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में लगभग ४००० एकड़ जमीन, होटल, व्यावसायिक संपत्तियां, सीमेंट संयंत्र और फॉर्मूला रेसिंग ट्रैक शामिल हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की इलाहाबाद पीठ ने १७ मार्च को अडानी एंटरप्राइजेज की समाधान योजना को मंजूरी दी थी। इसके बाद वेदांता ने इस फैसले को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ६ अप्रैल को इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, लेकिन यह निर्देश दिया कि आगे की किसी भी बड़ी कार्रवाई से पहले अपीलीय न्यायाधिकरण की अनुमति ली जाए।

नासा के रात्रि मानचित्र पर चमका उत्तर प्रदेश, योगी सरकार के पावर सेक्टर सुधारों का दिखा असर

लखनऊं नासा के विश्व रात्रि मानचित्र पर दर्शाए अनुसार, उत्तर प्रदेश विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रकाश से जगमगाते क्षेत्रों में से एक बन गया है, जो राज्य के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह विशिष्टता केवल दृश्यीय नहीं है, बल्कि योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा सभी के लिए बिजली, पर्याप्त बिजली और गुणवत्तापूर्ण बिजली पर केंद्रित प्रयासों की वैश्विक मान्यता का प्रतीक है। नासा द्वारा जारी नवीनतम वैश्विक मानचित्र में २०१४ से २०२२ तक प्रतिदिन रात में एकत्र की गई उपग्रह छवियों का उपयोग किया गया है, जिसमें नौ वर्षों में विश्लेषण की गई १.६ मिलियन छवियां शामिल हैं। निष्कर्षों से पता चलता है कि शहरी विकास के कारण उत्तरी भारत, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और बिहार में रात्रि

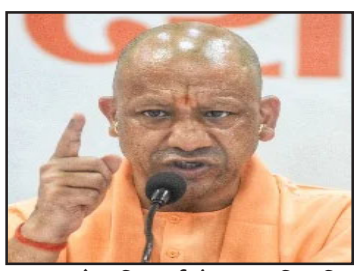

प्रकाश में वृद्धि हुई है। इस विज्ञप्ति में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रशासन ने हाल के वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में संरचनात्मक सुधार लागू किए हैं, जिनके प्रभाव विश्व स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नीति, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में व्यापक बदलाव किए हैं। शहरी विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देशन में राज्य की विद्युत प्रणाली को पुनर्गठित किया गया है। उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड विस्तार के साथ–साथ, राज्य ने बढ़ती मांग को स्थायी रूप से पूरा करने के लिए ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाई है। बयान में बिजली उत्पादन में हुई तीव्र प्रगति का उल्लेख किया गया है, जिसमें घाटमपुर थर्मल पावर प्रोजेक्ट की तीसरी इकाई के सफल सिंक्रोनाइजेशन को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया है। पारेषण और वितरण में सुधारों में नए सबस्टेशन, पुरानी अवसंरचना का आधुनिकीकरण और स्मार्ट तकनीकों को अपनाना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप बिजली की आपूर्ति अधिक स्थिर हुई है और लाइन ल स में उल्लेखनीय कमी आई है। योगी सरकार के कार्यकाल में विद्युत क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ा है। विज्ञप्ति के अनुसार, उपभोक्ता अब वास्तविक समय के खपत डेटा और ऑनलाइन सेवाओं तक अधिक आसानी से पहुंच सकते हैं, जबकि बिजली चोरी पर नियंत्रण में सुधार हुआ है। इन विकासों से पारदर्शिता और उपभोक्ता संतुष्टि में वृद्धि हुई है।

सम्पादकीय

परिसीमन पर गतिरोधः मोदी सरकार के लिए आत्म–मंथन का समय

अपने १२ साल के कार्यकाल की सबसे बड़ी विधायी पराजय का सामना करने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार आत्म–निरीक्षण करे, तो वह विश्वास, पारदर्शिता, और साफगोई का महत्त्व बेहतर ढंग से समझ सकती है। मकसद परिसीमन था, तो उस पर महिला आरक्षण का मुलम्मा चढ़ाने क्या जरूरत थी? विपक्ष चकमा खा जाएगा या महिला विरोधी ना दिखने की जुगत में लोकसभा सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी को अपना समर्थन दे देगा, ऐसी सोच रखना अपनी बुद्धि पर अत्यधिक यकीन ही माना जाएगा। दांव शायद भी था कि चूंकि उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटें सबसे ज्यादा बढ़ने वाली थीं, इसलिए समाजवादी पार्टी अपनी क्षेत्रीय गणना के तहत विपक्षी खेमे से टूट जाएगी। मगर ऐसी सोच साम–दाम– दंड–भेद के नजरिए को जाहिर करती हैं। अब साफ है कि ऐसे नजरिये के कामयाब होते रहने की समयसीमा होती है। बढ़ी आबादी को देखते हुए लोकसभा की सदस्य संख्या में बढ़ोतरी अतार्किक नहीं है। ना ही सैद्धांतिक ष्टिकोण से जनसंख्या आधारित परिसीमन का विरोध किया जा सकता है। मगर मुद्दा वो संदर्भ है, जिसमें ये पहल की गई। भाजपा सरकार के व्यवहार एवं नीतियों से राजनीतिक वर्ग में गहरा अविश्वास पैदा हुआ है। संवाद के मंचों को खत्म करना, राज्यपालों के जरिए गैर–भाजपा सरकारों को परेशान करना, मजहब– भाषा आधारित विभाजक एजेंडे को हवा देना, विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग आदि जैसी अनेक प्रवृत्तियां हैं, जिनका साया लोकतंत्र के मूलभूत तकाजों पर पड़ा है। इसका ताजा शिकार परिसीमन की विधायी पहल हुई। बेहतर होता राष्ट्र के नाम प्रसारण में विपक्ष को कोसने के बजाय प्रधानमंत्री इन प्रश्नों पर आत्म–मंथन करते दिखते। नरेंद्र मोदी इस बार विपक्ष के एकजुट रहने का संदेश समझने की कोशिश करते। संदेश यह है कि एजेंडा सेट करने और जनमत की प्रतिक्रिया उभार कर निर्णायक दबाव बनाने की भाजपा क्षमता अब कमजोर पड़ रही है। विपक्ष का आकलन संभवतः यह है कि इन तरीकों से भाजपा जितना ध्रुवीकरण कर सकती थी, कर चुकी। बहरहाल, प्रधानमंत्री इससे बेखर नजर आए। नतीजतन, गतिरोध और बढ़ेगा। आगे का रास्ता सिर्फ संवाद से संभव है। मगर उसके लिए कम–से–कम इतनी ईमानदारी जरूरी होगी, जिससे दूसरे पक्ष में भरोसा पैदा हो।

जनता दर्शन में एक्शन में सीएम योगी,ने बरेली निवासी दीप्ती की फरियाद पर अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को श्जनता दर्शनश में राज्य के लोगों से मुलाकात की और इस बात पर जोर दिया कि जनसेवा सरकार का कर्तव्य है। आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लोगों की शिकायतों का समाधान निर्धारित समय के भीतर किया जाए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सभी उचित समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। आदित्यनाथ ने कहा, ''जनसेवा सरकार का दायित्व है और प्रशासन इस जिम्मेदारी का पालन करते हुए राज्य के २५ करोड़ लोगों की सेवा को लेकर प्रतिबद्ध है।'' 'जनता दर्शन' में बरेली निवासी दीप्ति ने मुख्यमंत्री को अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि वह किराए के मकान में रहती हैं और ठेला लगाकर आजीविका कमाती हैं लेकिन आर्थिक तंगी के कारण उनके लिए बच्चों का पालन–पोषण करना बहुत मुश्किल हो रहा है। इसके बाद, आदित्यनाथ ने बरेली के जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि दीप्ति को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ दिया जाए और स्थानीय स्तर पर भी तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। 'जनता दर्शन' में कुछ लोगों ने आवास की मांग से संबंधित प्रार्थना पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार हर पात्र व्यक्ति को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलाधिकारियों को आवेदकों के पत्र भेजते हुए उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि पात्र लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिले। आवेदकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। 'जनता दर्शन' में कुछ लोगों ने इलाज के लिए वित्तीय सहायता का अनुरोध किया। आदित्यनाथ ने अधिकारियों को अनुमानित खर्च का पता लगाकर सरकार को तत्काल रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया और सहायता का अनुरोध करने वालों को आश्वासन दिया कि उनके परिवार के सदस्यों के इलाज का इंतजाम किया जाएगा। कुछ अभिभावकों ने आर्थिक तंगी के कारण बच्चों की पढ़ाई जारी रखने में हो रही कठिनाइयों का भी जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी बच्चा स्कूल छोड़ने को मजबूर न हो और जरूरत पड़ने पर स्कूल प्रबंधन से समन्वय किया जाए। मुख्यमंत्री ने अवैध अतिक्रमण और पुलिस से जुड़े मामलों में लापरवाही का संज्ञान लेते हुए इन प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया।

'हर समाधान एक स्टार्टअप है' : अखिलेश यादव ने बेंगलुरु से जयपुर तक साझा किया आधुनिक भारत का विजन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पांच राज्यों में 'विजन इंडिया समिट' आयोजित करके योजना, विकास और प्रगति का नजरिया पेश किया है। बेंगलुरू, हैदराबाद, भुवनेश्वर, मुंबई और जयपुर में हुईं इन समिट्स में बुद्धिजीवी, उद्यमी और युवा शामिल हुए। बेंगलुरू की समिट 'स्टार्टअप' पर फोकस रही। अखिलेश यादव ने स्टार्टअप्स को समस्याओं का समाधान बताते हुए कहा कि यूपी की चुनौतियों को स्टार्टअप्स के जरिए हल किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'हर समाधान एक स्टार्टअप है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां दुनिया की सबसे बड़ी आबादी है, वहां अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'भारत में हर कदम पर समस्याएं हैं। कहीं संसाधनों की कमी, तो कहीं प्रशासनिक या प्रबंधन संबंधी चुनौतियां। इन सभी का समाधान तेज और बुद्धिमत्तापूर्ण स्टार्टअप्स के माध्यम से संभव है।' स्टार्टअप्स को केवल लाभ कमाने का माध्यम न मानते हुए उनके सामाजिक उद्देश्य पर भी जोर दिया, और कहा कि ये वित्तीय सफलता के साथ–साथ सामाजिक प्रभाव को भी संतुलित करते हैं। समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। हैदराबाद में अखिलेश याव ने कहा कि वह विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ हैं और उसे रोकना ही **Vision Indi** का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि किसानों, बुनियादी ढांचे, शहरीकरण, शहरों में बेहतर सुविधाएं, ट्रैफिक समस्या के समाधान, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में एआई तकनीक का प्रभावी उपयोग आवश्यक है। यूपी में बढ़ते साइबर अपराध पर चिंता जताते हुए कहा कि ठगी के मामले बढ़ रहे हैं। अफसर भी निशाना बन रहे। तकनीक का सही इस्तेमाल और लाभ सबको मिलना चाहिए। तीसरा कार्यक्रम ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 'होलिस्टिक हेल्थ समिट' पर केंद्रित था। यह बेंगलुरु (स्टार्टअप) और हैदराबाद (**AI**) के बाद इस श्रृंखला का तीसरा प्रमुख सम्मेलन था। भुवनेश्वर सम्मेलन का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा को केवल रोगों के उपचार तक सीमित न रखकर शारीरिक फिटनेस, मानसिक कल्याण, और सामाजिक स्थितियों के समावेशी विकास पर चर्चा करना था। अखिलेश यादव ने कहा 'हमने आज के विषय के रूप में 'स्वास्थ्य' नहीं, बल्कि 'समग्र स्वास्थ्य' चुना है, क्योंकि आज लोग केवल बीमारी के इलाज से आगे बढ़कर संपूर्ण कल्याण और स्वस्थ जीवनशैली की तलाश कर रहे हैं।' 'समग्र स्वास्थ्य का अर्थ है शरीर, मन और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना, यही पूर्ण स्वास्थ्य और वेलनेस की परिभाषा है।' उन्होंने कहा 'हमारा पर्यावरण, जिसमें घर, कार्यस्थल, सामाजिक परिवेश और प्राकृतिक वातावरण शामिल हैं। हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। इसलिए एक सकारात्मक और सहयोगी वातावरण का निर्माण अत्यंत आवश्यक है।' अखिलेश यादव ने 'हेल्दी इंडिया' नारा देकर कहा कि यह केवल एक नारा नहीं बल्कि एक मिशन होना चाहिए। उन्होंने चिकित्सा बनाम स्वास्थ्य सेवा की चर्चा करते हुए 'मेडिकल केयर' (जो बीमारी के बाद होती है) और 'हेल्थ केयर' (जो निवारक या प्रिवेंटिव होती है) के बीच के अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि देश में केवल ३०: स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर ही पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है। विजन इंडिया आयोजनों में अखिलेश यादव ने **PDA** मॉडल को नए सिरे से परिभाषित किया– **P** (**Plan/** योजना), **D** (**Develop/**विकास), **A** (**Ascent/**प्रगति)। मुंबई में आयोजित सम्मेलन में 'क्रिएटिव इकोनमी' (**Creative Economy**) पर मंथन हुआ। अखिलेश यादव ने 'क्रिएटिविटी, पॉजिटिविटी और इक्वलिटी' (**Creativity, Positivity, Equality**) योजना, विकास और उत्कर्ष पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जो इंसानियत और दुनिया को बेहतर बनाए, वही सच्ची रचनात्मकता है। रचनात्मक उद्योग के भविष्य पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कलाओं को अत्याधुनिक डिजिटल नवाचार के साथ जोड़कर भारत अपनी रचनात्मक संपदा को वैश्विक प्रभाव और रोजगार सृजन के एक स्थायी माध्यम में बदल सकता है। अखिलेश यादव ने कहा ष्हर नए सुधार, नीति और योजना के पीछे रचनात्मकता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किसी भी सच्ची और अच्छी सरकार का लक्ष्य या तो पहले से मौजूद व्यवस्था को बेहतर बनाना होता है या फिर व्यापक जनसमूह की किसी समस्या का समाधान करना होता है।' जयपुर में 'हारमोनियस हेरिटेज समिट' (**Harmonious Heritage Summit**) था। इसमें बुद्धिजीवियों, सांस्कृतिक इतिहासकारों और युवा नेताओं का एक विविध समूह एकत्रित हुआ, जिन्होंने भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उत्थान के मार्ग पर विचार–विमर्श किया। अखिलेश यादव ने कहा कि केवल नाम ही नहीं, बल्कि शहर की कला, वास्तुकला, संगीत और भोजन सभी गहरी जड़ें जमाए बहुसांस्कृतिक समरसता को दर्शाते हैं।' उन्होंने 'सामंजस्य से सौहार्द, सौहार्द से अमन–चौन और अमन–चौन से तरक्की' का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब समाज में भाईचारा और समानता होगी, तभी देश का विकास संभव है। विरासत केवल स्मारकों को बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एकता और साझा पहचान की भावना को संजोने के बारे में है।'

राहुल गांधी नागरिकता विवादः हाईकोर्ट के जज ने सुनवाई से खुद को किया अलग

लखनऊ। राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता विवाद मामले में सुनवाई कर रहे हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया है। न्यायालय ने मामले के रिक र्ड को मुख्य न्यायमूर्ति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है ताकि नई बेंच को मामले को आवंटित किया जा सके। सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने याची एस. विग्नेश शिशिर द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए कई विवादित पोस्ट का जिक्र किया। उक्त पोस्ट्स में न्यायालय पर गंभीर आरोप लगाए गए थे, पोस्ट्स में 'फाउल प्ले', 'बैक रूम एक्सरसाइज' और 'डीप स्टेट' जैसे शब्दों का उपयोग किया गया, जिससे न्यायालय की निष्पक्षता

पर प्रश्नचिह्न लगा। न्यायालय ने इन टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि याची ने अदालत के प्रति विश्वास खो दिया है और सार्वजनिक रूप से इसकी गरिमा को ठेस पहुंचाई है। एकल पीठ ने अपने आदेश में आगे कहा कि इस प्रकार के आरोप न्यायालय के विरुद्ध आक्षेप लगाने के समान हैं और ऐसी स्थिति में उनके लिए इस मामले की सुनवाई इसी पीठ द्वारा जारी रखना उचित नहीं है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि याची एवं अन्य अधिवक्ताओं द्वारा कानून की सही स्थिति कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई, जिससे न्यायिक समय की अनावश्यक हानि हुई। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए न्यायालय ने कहा कि अधिवक्ताओं का कर्तव्य है कि वे न्यायालय की निष्पक्ष सहायता करें और सही कानूनी स्थिति प्रस्तुत करें।

पंचायतीराज संस्थाओं को अप्रैल माह के लिए १००० करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने पंचायतीराज संस्थाओं को वित्तीय वर्ष २०२६–२७ के तहत अप्रैल माह के लिए १००० करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी है। पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के आधार पर यह धनराशि जिला, ब्ल क और ग्राम पंचायतों के बीच निर्धारित अनुपात में वितरित की जाएगी। सोमवार को जारी शासनादेश के अनुसार, कुल १२,००० करोड़ रुपये के प्रावधान में से अप्रैल माह के लिए १००० करोड़ रुपये स्वीत किए गए हैं। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा ग्राम पंचायतों को मिला है, जिन्हें ७०० करोड़ रुपये दिए जाएंगे। वहीं जिला पंचायतों और ब्ल क पंचायतों को १५०–१५० करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह धनराशि कोषागार से सीधे संबंधित पंचायतों के खातों में ट्रांसफर की जाएगी। किसी भी स्तर पर राशि को बैंक खाते में रोककर रखने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित कार्यों में ही किया जाएगा, किसी अन्य मद में समायोजन की अनुमति नहीं होगी। शासनादेश में यह भी कहा

गया है कि धनराशि के उपयोग की नियमित समीक्षा की जाएगी और संबंधित अधिकारी इसके लिए जवाबदेह होंगे। एक सप्ताह के भीतर आहरण की सूचना शासन को उपलब्ध कराना भी अनिवार्य किया गया है। इस निर्णय से पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

योगी सरकार ने 24 आईएएस अधिकारियों का किया तबादला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए २४ वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इस फेरबदल में कई जिलों के जिलाधिकारियों (डीएम) को बदला गया है, वहीं शासन स्तर पर भी अहम जिम्मेदारियों में परिवर्तन किया गया है। इसे प्रशासनिक कसावट और कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जारी सूची के अनुसार, कई महत्वपूर्ण जिलों में नए जिलाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। अविनाश कुमार को अलीगढ़, अरविंद सिंह को एटा, अमित आसेरी को बांदा और डॉ. अंकुर लाठर को फर्रुखाबाद का जिलाधिकारी बनाया गया है। इसी क्रम में कविता मीना को हापुड़, ईशा प्रिया को अंबेडकर नगर, चंचल गौड़ को सोनभद्र, अनुपम शुक्ला को गाजीपुर, शशांक त्रिपाठी को अयोध्या तथा ईशान प्रताप सिंह को बाराबंकी का डीएम नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार ने शासन स्तर पर भी कई महत्वपूर्ण विभागों में फेरबदल किया है। निखिल टीकाराम फुंडे को मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव बनाया गया है। प्रेम रंजन सिंह को सर्व शिक्षा अभियान में अपर राज्य परियोजना निदेशक और मध्यान्ह भोजन अधिकरण का निदेशक नियुक्त किया गया है। इसके अलावा अभिषेक पाण्डेय को राजस्व

परिषद में अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त, संजीव रंजन को कृषि विभाग में विशेष सचिव तथा जे. रीभा को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है। आशुतोष कुमार द्विवेदी को लोक निर्माण विभाग और बद्री नाथ सिंह को उच्च शिक्षा विभाग में विशेष सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं अरुण कुमार को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के प्रभार से मुक्त किया गया फेरबदल के तहत विकास प्राधिकरणों और मुख्य विकास अधि ाकारियों (सीडीओ) के पदों पर भी नए चेहरे तैनात किए गए है। दीक्षा जैन को उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण, कानपुर में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है। डॉ. अपरांजिता सिंह सिनसिनवार को बुलंदशहर–खुर्जा विकास प्राधिकरण और प्रणता ऐश्वर्या को मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं उत्कर्ष त्रिवेदी को शाहजहांपुर, अभिनव जेठ जैन को कानपुर नगर और दीक्षा जोशी को सीतापुर का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है। सरकार का यह कदम प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक चुस्त–दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से उठाया गया माना जा रहा है। नए अधिकारियों से अपने–अपने जिलों और विभागों में तेजी से कार्यों को आगे बढ़ाने और जनहित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की अपेक्षा की गई है। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही सरकार ने ४० आईएएस अधिकारियों का तबादला किया था जिसमे कई जिलों के डीएम बदले गए थे।

मातृ मृत्यु दर घटाने में क्लिनिकल प्रोटोकॉल का पालन जरूरी : प्रो. अविनाश अग्रवाल

लखनऊ। देश में मातृ मृत्यु दर आज भी एक गंभीर चुनौती है। इसका प्रमुख कारण क्लिनिकल प्रोटोकॉल और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच का अंतर है। यह बात किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. अविनाश अग्रवाल ने ऑब्स्टेट्रिक क्रिटिकल केयर विषय पर आयोजित कार्यशाला में कही। उन्होंने कहा कि कई मामलों में समय पर पहचान और उचित उपचार न मिलने से जटिलताएं बढ़ जाती हैं, विशेषकर सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों में। ऐसी परिस्थितियों में अर्ली वार्निंग स्कोरिंग सिस्टम बेहद उपयोगी है, जो मरीज की स्थिति बिगड़ने के शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय रहते उपचार शुरू करने में मदद करता है। वहीं, कार्यक्रम में मौजूद प्रो. बीके ओझा, अंजू अग्रवाल, डॉ. सुलेखा सक्सेना और डॉ. शुचि आदि विशेषज्ञों ने गर्भावस्था या प्रसव के दौरान अचानक स्थिति बिगड़ने जैसे ब्लड प्रेशर गिरना या अत्यधिक रक्तस्राव की स्थिति में पॉइंट–ऑफ–केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) को एक प्रभावी तकनीक बताया। इसके माध्यम से हृदय, रक्त प्रवाह और शरीर की अन्य स्थितियों का तुरंत आकलन कर शॉक के कारण का पता लगाया जा सकता है, जिससे इलाज अधिक सटीक और समयबद्ध हो पाता है। विशेषज्ञों के अनुसार शॉक के प्रबंधन में सही समय पर फ्लूड देना, आवश्यकता अनुसार वेसोप्रेसर का उपयोग और कारण के अनुसार उपचार करना अत्यंत आवश्यक है। इन उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन से मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। प्रो. अविनाश के मुताबिक कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से आए ३०० से अधिक कंसल्टेंट्स, पीजी छात्र एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। इसमें मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों के प्रतिनिधियों की भागीदारी रही।

उत्तर प्रदेश में बढ़ा गर्मी का सितम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है और सोमवार को राज्य के कई जिलों में तापमान ४० डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विभाग ने आगामी पांच दिनों तक प्रदेश के अनेक जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। भारतीय मौसम विभाग के लखनऊ केंद्र द्वारा जारी उष्ण लहर बुलेटिन के अनुसार सोमवार दोपहर २रू३० बजे प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां तापमान ४३.० डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा सुल्तानपुर में ४२.८ डिग्री, वाराणसी एयरपोर्ट में ४२.४ डिग्री, झांसी में ४२.४ डिग्री, वाराणसी बीएचयू में ४२.० डिग्री और बहराइच में ४२.० डिग्री तापमान दर्ज किया गया। बुलेटिन के अनुसार फुरसतगंज में ४१.२ डिग्री, आजमगढ़ में ४१.६ डिग्री, लखनऊ में ४१.६ डिग्री, आगरा ताज में ४१.८ डिग्री, गोरखपुर में ४०.४ डिग्री, बरेली में ४०.२ डिग्री तथा मेरठ में ४०.० डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कानपुर नगर का तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया, हालांकि २रू३० बजे के प्रेक्षण में उसका आंकड़ा ४० डिग्री से नीचे रहा। मौसम विभाग ने कहा है कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान में फिलहाल कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है, जिससे अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। विभाग ने २० अप्रैल को बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, कासगंज, एटा, मैनपुरी, पीलीभीत, शाहजहांपुर और बदायूं जिलों में कहीं–कहीं लू चलने की संभावना जताई है। २१ अप्रैल को बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया तथा शाहजहांपुर में लू की चेतावनी जारी की गई है। २२ अप्रैल को बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, हमीरपुर, महोबा और ललितपुर में गर्म हवाएं चल सकती हैं। २३ और २४ अप्रैल को भी पूर्वी तथा बुंदेलखंड क्षेत्र के साथ मध्य उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में लू का असर बने रहने की संभावना व्यक्त की गई है। २४ अप्रैल को कानपुर नगर और कानपुर देहात भी लू प्रभावित जिलों में शामिल किए गए हैं। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर ११ बजे से ३ बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने, हल्के सूती वस्त्र पहनने और बच्चों, बुजुर्गों तथा बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। किसानों को गन्ना, ग्रीष्मकालीन मक्का, दलहन तथा सब्जी फसलों में सिंचाई जारी रखने को कहा गया है।

नीतीश कुमार पर भाजपा का पूरा कंट्रोल, इसलिए चुप हैंः तमिलनाडु से राहुल गांधी का बड़ा हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा, जिन्होंने पिछले सप्ताह इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने नीतीश कुमार को 'समझौतावादी' बताते हुए आरोप लगाया कि जेडीयू प्रमुख के पिछले कार्यों ने भाजपा को उन पर पूरी तरह से नियंत्रण करने की अनुमति दी। गांधी ने राज्यसभा सांसद नीतीश पर हमला तब किया जब कांग्रेस नेता तमिलनाडु के थूथुकुडी में एक चुनावी रैली में भाषण दे रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नीतीश को मुख्यमंत्री पद से हटाने में इसलिए सफल रही क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री रिश्वतखोर थे और राज्यसभा भेजे जाने के बाद उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश ने बिहार से राज्यसभा चुनाव जीतने के कुछ

दिनों बाद १४ अप्रैल को इस्तीफा दे दिया था। जेडीयू नेता का नाम लिए बिना, कांग्रेस नेता ने कहा कि देखिए बिहार में हाल ही में क्या हुआ है। बिहार के मुख्यमंत्री को हटाकर उनकी जगह भाजपा के एक व्यक्ति को बिठा दिया गया है। क्यों? क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री भ्रष्ट हैं। उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा और चुपचाप राज्यसभा चले गए। बिहार का उदाहरण देते हुए राहुल गांधी ने तमिलनाडु के लिए भी इसी तरह की चिंता व्यक्त की और कहा कि भाजपा एक ऐसी राज्य सरकार चाहती है जिस पर उनका पूर्ण नियंत्रण हो। गांधी ने आगे कहा कि क्योंकि उनके पिछले कार्यों ने भाजपा को उन पर पूर्ण नियंत्रण रखने का अवसर दिया। तमिलनाडु में भी वे यही करना चाहते हैं। वे एक ऐसी सरकार चाहते हैं जिस पर उनका पूर्ण नियंत्रण हो। वे एक ऐसा मुख्यमंत्री चाहते हैं जो उनकी हर बात माने। और हम उन्हें ऐसा कभी नहीं करने देंगे।

उत्तर प्रदेश में हीटवेव का असरः बेसिक शिक्षा परिषद ने बदला स्कूलों का समय, सुबह ७:३० बजे से चलेंगे विद्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ती गर्मी और हीटवेव को देखते हुए बेसिक शिक्षा परिषद ने प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों के समय में बड़ा बदलाव किया है। शिक्षा समय–सारणी के अनुसार विद्यालयों में प्रार्थना सभा और योगाभ्यास सुबह ७:३० से ७:४० बजे तक, जबकि मध्यावकाश सुबह १०:०० से १०:१५ बजे तक रहेगा।

निदेशक (बेसिक) द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब परिषद के अधीन संचालित सभी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रातः ७:३० बजे से अपराह्न १रू३० बजे तक संचालित किए जाएंगे। आदेश के मुताबिक छात्र–छात्राएं सुबह ७:३० बजे से दोपहर १२:३० बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। वहीं शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को दोपहर १:३० बजे तक विद्यालय में रहकर शैक्षिक, प्रशासनिक और अन्य कार्य पूरे करने होंगे। नई बेसिक शिक्षा विभाग ने यह निर्णय राहत आयुक्त एवं उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के तहत लिया है, ताकि भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके। वहीं मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए स्कूल प्रबंधन समितियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है। प्रदेशभर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को आदेश का तत्काल पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

'वो अफसाना' में होगी साहिर–अमृता की अनकही दास्तां

लखनऊ। सबसे दिलचस्प और अनूठी साहिर लुधियानवी और अमृता प्रीतम की प्रेम कथा पर

आधारित सर्वाधिक चर्चित द्विपात्रीय नाटक 'वो अफसाना' का मंचन दिल्ली के कलाकार यहां एमबी क्लब ग्राउंड पर पहली मई की शाम करेंगे। हुनर क्रिएशन एण्ड क्राफ्ट एसोसिएशन की ओर से राबता दिल्ली की इस पेशकश के बारे में संयोजक जफर नबी ने बताया कि सम्मान समारोहों और संगीत कार्यक्रमों के आयोजन के बाद एसोसिएशन लम्बे अरसे बाद नाटक मंचित करा रही है। उन्होंने बताया कि दो प्रतिष्ठित हस्तियां, जिनके नाम एक साथ जुनून, निःस्वार्थ स्नेह और एकतरफा प्रेम के साथ ही दोनों के बीच अनकहे, लेकिन गहरे बंधन को दर्शाते हैं। प्रमाणित तथ्यों से प्रेरित और व्यापक शोध पर आधारित इस नाटक में उनकी कविताओं और घटनाओं को खूबसूरती से पिरोया गया है। शमीर के निर्देशन में प्रस्तुत सुदेश सेठी और जयश्री के संकलित और एडाप्ट किये इस नाटक में वह खुद साहिर की भूमिका में मंच पर होंगे, जबकि अमृता का किरदार डा.जयश्री सेठी निभायेंगी। गीतों में श्रिया अरोड़ा और जावेद की आवाज होगी। मंच पार्श्व के कामों में श्वेता मिश्रा और स्वाति की प्रतिभा दिखायी देगी।

भीषण गर्मी और लू का असरः यूपी में परिषदीय स्कूलों का समय बदलने की उठी मांग, सुबह ७ से दोपहर १२ बजे तक संचालन का प्रस्ताव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए परिषदीय विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव की मांग तेज हो गई है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ लखनऊ द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग को भेजे गए पत्र में वर्तमान मौसम परिस्थितियों को देखते हुए स्कूलों का समय प्रातः ७रू०० बजे से दोपहर १२रू०० बजे तक किए जाने का अनुरोध किया गया है। पत्र में कहा गया है कि शिक्षा निदेशक (बेसिक), उत्तर प्रदेश द्वारा जारी निर्देशों तथा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की चेतावनी के अनुसार छात्रों को हीट वेव और लू से बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। बताया गया है कि परिषदीय विद्यालयों में कायाकल्प योजना के तहत व्यवस्थाओं में सुधार हुआ है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी पर्याप्त विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही है। भीषण गर्मी के दौरान

बिजली बाधित होने से कक्षाओं में उमस बढ़ जाती है, जिससे छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका रहती है। वर्तमान में विद्यालयों का संचालन सुबह ८रू०० बजे से दोपहर २रू०० बजे तक हो रहा है। स्कूल छुट्टी के समय गर्मी अपने चरम पर होती है, ऐसे में बच्चों को १ से ३ किलोमीटर तक पैदल घर लौटना पड़ता है, जिससे लू लगने और स्वास्थ्य खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि शाहजहांपुर, प्रयागराज समेत प्रदेश के कई जिलों में मौसम को देखते हुए विद्यालयों के समय में पहले ही बदलाव किया जा चुका है। ऐसे में बेसिक शिक्षा विभाग से मांग की गई है कि मौसम विभाग की चेतावनी और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पूरे प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों का समय तत्काल प्रभाव से सुबह ७ बजे से दोपहर १२ बजे तक किया जाए। अब देखना होगा कि सरकार और शिक्षा विभाग इस मांग पर क्या फैसला लेते हैं।

देबिना के जन्मदिन पर गुरमीत ने लिखा खास नोट

मुम्बई। साउथ सिनेमा से लेकर हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में अपनी अलग पहचान बनाने वाली मशहूर अभिनेत्री देबिना बनर्जी शनिवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस अवसर पर उनके पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी ने उन्हें जन्मदिन की बधाई खास अंदाज में दी। गुरमीत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो पोस्ट किया। इसमें देबिना अपने परिवार के साथ जन्मदिन मना रही हैं। क्लिप में देबिना, गुरमीत और उनकी दोनों बेटियां लियाना और दिविशा साथ में नजर आ रहे हैं। पूरा परिवार मिलकर जन्मदिन का केक काटता हुआ दिख रहा है। वीडियो में खुशी और प्यार का माहौल साफ नजर आ रहा है। वीडियो के साथ गुरमीत ने देबिना बनर्जी के लिए एक खास नोट लिखा। अभिनेता ने लिखा जन्मदिन की बधाई दो देबिना। मैं अक्सर नहीं कहता, लेकिन मुझे सच में नहीं पता कि तुम कैसे सब कुछ इतनी खूबसूरती से संभाल लेती हो। मुझे हर दिन यह एहसास होता है कि जिंदगी ने तुम्हें मेरे लिए ही चुना है। सिर्फ मेरी पत्नी के रूप में नहीं, बल्कि मेरी सबसे अच्छी दोस्त और मेरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में भी। मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं। अभिनेता की पोस्ट उनके फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं और कई यूजर्स तो कमेंट सेक्शन में जन्मदिन बधाई देने के साथ प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। देबिना टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री हैं, लेकिन उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साउथ इंडस्ट्री से की थी। उन्होंने तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में अभिनय कर

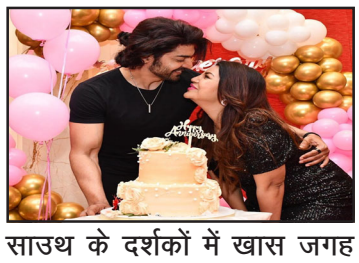

साउथ के दर्शकों में खास जगह बनाई थी। इसके बाद हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों की तरफ रुख किया और अपनी मजबूत जगह बनाई। अभिनेत्री ने मुख्य रूप से रामायण धारावाहिक में 'सीता' की भूमिका से हिंदी दर्शकों में पहचान बनाई थी और उन्हें बड़ी सफलता भी मिली थी। इसके अलावा, अभिनेत्री ने 'चिड़ियाघर' में मयूरी, 'संतोषी मां' और 'अलादीन नाम तो सुना होगा' जैसे लोकप्रिय टीवी शो में काम किया। उन्होंने पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ 'नच बलिए सीजन ६' (२०१३) में भाग लिया था। इसमें वे प्रथम रनर अप रही थीं।

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोनिया-राहुल गांधी को फौरी राहत या बढ़ीं मुश्किलें? दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई टली

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर सुनवाई नहीं की। इस मामले की सुनवाई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच के सामने होनी थी। मिली जानकारी के अनुसार, अब इस मामले की सुनवाई २५ मई को होगी। एजेंसी ने ट्रायल कोर्ट के पिछले फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया था। ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कई अन्य लोगों के खिलाफ दायर चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। अधिकारियों के मुताबिक, ईडी का तर्क है कि ट्रायल कोर्ट के आदेश की न्यायिक समीक्षा जरूरी है और चार्जशीट में पेश की गई सामग्री पर औपचारिक संज्ञान लिया जाना चाहिए। इससे पहले, २२ दिसंबर को हाई कोर्ट ने गांधी परिवार और कई अन्य लोगों को मुख्य याचिका और ईडी की उस अर्जी, दोनों के संबंध में नोटिस

जारी किए थे, जिसमें ट्रायल कोर्ट के १६ दिसंबर, २०२५ के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। ट्रायल कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि एजेंसी की शिकायत पर संज्ञान लेना 'कानूनन गलत' था, क्योंकि यह किसी **FIR** पर आधारित नहीं थी। गांधी परिवार के अलावा, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, यंग इंडियन, डॉटैक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड और सुनील भंडारी को भी नोटिस जारी किए गए थे। ईडी ने आरोप लगाया है कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, और कांग्रेस के दिवंगत नेता मोतीलाल वोरा और ॲस्कर फर्नांडिस, मनी ल न्ड्रिंग से जुड़ी एक साजिश का हिस्सा थे। एजेंसी ने अपनी शिकायत में सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और यंग इंडियन का नाम भी शामिल किया है। ईडी के अनुसार, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की लगभग २,००० करोड़ रुपये की संपत्ति कथित तौर पर गलत तरीकों से हासिल की गई थी। यह दावा किया गया है कि गांधी परिवार की यंग इंडियन में ७६ प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जिसने ६० करोड़ रुपये के कर्ज के बदले धोखे से एजीएल की संपत्तियों पर कब्जा कर लिया था।

जर्मनी दौरे पर जाएंगे राजनाथ सिंह, चीन की बढ़ेगी टेंशन! ९९,००० करोड़ की पनडुब्बी सौदा पर लगेगी मुहर?

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह २१ अप्रैल से शुरू होने वाले तीन दिवसीय जर्मनी दौरे पर रहेंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली और बर्लिन के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाना है। इस दौरे के दौरान राजनाथ सिंह अपने जर्मन समकक्ष बोरिस पिस्टोरियस और अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत करेंगे। सात वर्षों में यह पहली बार होगा जब कोई भारतीय रक्षा मंत्री जर्मनी का दौरा करेगा। इससे पहले, निर्मला सीतारमण ने फरवरी २०१६ में जर्मनी का दौरा किया था। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि राजनाथ सिंह के इस दौरे से दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच चल रहे रक्षा सहयोग की समीक्षा करने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने का अवसर मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चर्चा में रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने, सैन्य–से–सैन्य संबंधों को मजबूत करने और साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ड्रोन जैसे उभरते क्षेत्रों में अवसरों की खोज पर ध यान केंद्रित किया जाएगा। बयान में आगे कहा गया कि दोनों रक्षा मंत्रियों की उपस्थिति में संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों के प्रशिक्षण में सहयोग हेतु एक रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप और कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। राजनाथ सिंह की जर्मनी यात्रा के दौरान, भारत और जर्मनी के बीच भारतीय नौसेना के लिए छह उन्नत पारंपरिक पनडुब्बियों (प्रोजेक्ट ७५I) के सौदे पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। यह सौदा ७०,०००

करोड़ रुपये से ६६,००० करोड़ रुपये के बीच होने की उम्मीद है, जिसके तहत इन पनडुब्बियों का निर्माण भारत में मुंबई स्थित मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स के सहयोग से किया जाएगा। प्रोजेक्ट ७५I के तहत आने वाली ये पनडुब्बियां भारतीय नौसेना की जलमग्न क्षमताओं को और मजबूत करेंगी। पनडुब्बी सौदे के अलावा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर सुरक्षा और ड्रोन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। दोनों देश रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक रोडमैप पर भी हस्ताक्षर कर सकते हैं।

सरोजिनी नगर के विद्यालयों में वार्षिकोत्सव और स्कूल चलो अभियान की धूम, मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

लखनऊ। विकासखंड सरोजिनी नगर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय विरूरा और पूर्व माध्यमिक विद्यालय कन्या बरौना में शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं स्कूल चलो

अभियान कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। पूर्व माध्यमिक विद्यालय विरूरा में समग्र शिक्षा के विशेषज्ञ श्री राजेश प्रताप शाही एवं सहायक निदेशक श्री सूर्य प्रकाश जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि खंड शिक्षा अधिकारी श्री रुद्र प्रताप यादव विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री राजेश प्रताप शाही ने कहा कि विद्यालय का वार्षिकोत्सव पूरे वर्ष की शैक्षिक गतिविधियों का लेखा–जोखा होता है। यह उपलब्धियों के सम्मान के साथ–साथ शेष कार्यों की समीक्षा और आगामी वर्ष के लक्ष्यों के निर्धारण का अवसर भी प्रदान करता है। वहीं सहायक निदेशक श्री सूर्य प्रकाश जायसवाल ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि बेहतर शिक्षा के माध्यम से ही विकसित भारत का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी श्री रुद्र प्रताप यादव ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विकासखंड में संचालित शैक्षिक गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर एआरपी ज्ञान प्रताप सिंह, भूपेश ओझा, प्रतिमा मिश्रा, सर्वेश कुमार गौतम सहित विद्यालय की शिक्षिकाएं रेखा विष्ट, मधुबाला तथा शिक्षक संजय यादव समेत अनेक शिक्षक, अभिभावक और छात्र मौजूद रहे। इसी क्रम में पूर्व माध्यमिक विद्यालय कन्या बरौना में भी वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। यहां मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ प्रवक्ता समग्र शिक्षा श्री सुधीर कुमार एवं उपनिदेशक समाज कल्याण श्री संजीव कुमार उपस्थित रहे। विद्यालय के बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया तथा उन्हें मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर एआरपी शन्नो राय, ज्ञान प्रताप सिंह तथा विद्यालय की शिक्षिकाएं वंदना, अर्चना सिंह, शालू जायसवाल, आरती सिंह सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

पदोन्नति पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को भावभीनी विदाई

लखीमपुर खीरी। पदोन्नति के बाद देवीपाटन मंडलायुक्त बनने पर स्थानांतरित हुईं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को सोमवार शाम कलेक्ट्रेट के अटल सभागार में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम ब्रजपाल सिंह समेत सभी अधिकारियों ने उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन पीडी एसएन चौरसिया ने किया। अपने संबोधन में नागपाल ने टीम वर्क के लिए सभी का आभार जताते हुए कहा कि खीरी की यादें हमेशा साथ रहेंगी। अधिकारियों ने उनके नेतृत्व, कार्यशैली और जिले के बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके कार्यकाल को यादगार बताया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का अभिमुखीकरण कार्यक्रम में अधिनियम के उद्देश्यों को बताया गया

लखीमपुर –खीरी , शुक्रवार १७ अप्रैल २०२६ ! महिला कल्याण विभाग के द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम का अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन चाइल्ड इम्पावरमेंट व राजकीय विशेष दत्तक गृहण एजेंसी की टीम द्वारा किया गया है इस कार्यक्रम में मिशन शक्ति फेज ५.० (चरण –२), व नारी शक्ति वंदन अधिनियम के

हेल्पलाइन के कार्यालय पर हब फार वूमेन इम्पावरमेंट टीम की जिला मिशन समन्वयक आर्य मित्रा विष्ट की अध्यक्षता में किया गया है ! ज्ञात हो नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अभिमुखीकरण कार्यक्रम शासन के दिशा–निर्देशानुसार जिला प्रोबेशन अधिकारी लवकुश कुमार भार्गव के आदेश के क्रम में महिला कल्याण विभाग की जिला बाल संरक्षण इकाई, वन स्टाप सेंटर , चाइल्ड हेल्पलाइन, हब फॉर वूमेन मुख्य उद्देश्य महिलाओं की राजनीति क्षेत्र में भागीदारी का बढ़ावा देना , निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका को सुदृढ़ करने एवं लैंगिक समानता को बढ़ावा देने पर चर्चा की गयी है ! इसी क्रम में एक कार्यक्रम वन स्टाप सेंटर लखीमपुर में भी आयोजित किया गया है! उक्त कार्यक्रम में हब फार वूमेन,राजकीय विशेष दत्तक गृहण एजेंसी, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन की टीमें उपस्थित रहीं !

चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में ४८ घंटे का 'ड्राई डे'

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग (ECI) ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम बंगाल के चुनाव वाले क्षेत्रों और पूरे तमिलनाडु में ४८ घंटे के 'ड्राई डे' (शराबबंदी) का आदेश दिया है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ के प्रावधानों का हवाला देते हुए आयोग ने कहा कि मतदान समाप्त होने से पहले के ४८ घंटों के दौरान, मतदान क्षेत्रों के भीतर होटलों, रेस्तरांओं, मधुशालाओं, दुकानों या किसी भी सार्वजनिक या निजी स्थान पर किसी भी प्रकार की मादक, किण्वित या नशीली शराब की बिक्री, परोसन या वितरण नहीं किया जाएगा। बयान में आगे कहा गया कि कानूनी प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए, श्ड्राई डेश की घोषणा और अधिसूचना संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के कानूनों के तहत की जाएगी। यह उस मतदान क्षेत्र में चुनाव के लिए मतदान के दिन से ४८ घंटे पहले से शुरू होकर, मतदान समाप्त होने के लिए निर्धारित समय तक लागू रहेगा, जहाँ विधानसभा के आम चुनाव हो रहे हैं। इस अवधि में, यदि कोई पुनर्मतदान होता है, तो उसकी तारीख भी शामिल होगी।

एक्ट की धारा १३५C के तहत जारी यह पाबंदी उन सभी जगहों पर लागू होगी जिनके पास शराब रखने या बेचने का लाइसेंस है, जिनमें क्लब, स्टार होटल और रेस्टोरेंट शामिल हैं। षजिन क्लबों का कोई एक मालिक नहीं है, स्टार होटल, रेस्टोरेंट वगैरह और जिन होटलों के पास शराब रखने और सप्लाई करने के लिए अलग–अलग तरह के लाइसेंस हैं, उन्हें इन दिनों शराब परोसने की इजाजत नहीं होगी। भारत के चुनाव आयोग ने बताया कि 'ड्राई डे' (शराबबंदी) की पाबंदियां वोटिंग के हर चरण के दौरान लागू रहेंगी, जिसमें कोई भी दोबारा वोटिंग भी शामिल है। ये पाबंदियां ४ मई को वोटों की गिनती वाले दिन भी लागू रहेंगीय उस दिन उन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसी तरह की पाबंदियां लागू होंगी जहां चुनाव हुए हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि इन दिनों किसी भी शराब की दुकान, होटल, रेस्टोरेंट, क्लब या शराब बेचने या परोसने वाली किसी भी दूसरी जगह को ऐसा करने की इजाजत नहीं होगी। आयोग ने आगे कहा कि इस दौरान आम लोगों द्वारा शराब जमा करके रखने पर भी रोक रहेगी, और बिना लाइसेंस वाली जगहों पर शराब जमा करने से जुड़े एक्साइज कानूनों के नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा।

महिला आरक्षण पर अखिलेश यादव ने बोला 'झूठ' : ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर महिला आरक्षण संबंधी १३१वें संविधान संशोधन विधेयक के विरोध के बारे में झूठ बोलने का आरोप लगाया है। राजभर का दावा है कि उन्होंने विधेयक का विरोध इसलिए किया क्योंकि उन्हें लगा कि इसका श्रेय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिलेगा। एएनआई से बात करते हुए राजभर ने कहा कि इसमें क्या साजिश थी? वह झूठ बोल रहे हैं। भाजपा महिलाओं को ३३ः आरक्षण देने को तैयार है। उन्हें लगा कि इसका श्रेय भाजपा को मिलेगा। इसीलिए वे इसका विरोध कर रहे थे। इससे पहले, अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण विधेयक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण को खोखला बताया था। यादव ने स्पष्ट किया कि कोई भी विपक्षी दल महिला विधायकों के लिए आरक्षण का विरोध नहीं करता है और उन्होंने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदायों को भी आरक्षण योजना में शामिल करने की मांग की। रविवार को रेवाड़ी में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी महिला आरक्षण के पक्ष में हैं। कोई भी विपक्षी दल महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान, उत्तर प्रदेश में कई लोगों को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री भाजपा से भावी महिला प्रधानमंत्री का नाम

लेंगे, लेकिन संबोधन खोखला साबित हुआ और उससे जगी उम्मीदें पूरी नहीं हुईं।उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण का कोई विरोध नहीं है। हमारा मानना घ्ह्है कि अगर आप आधी आबादी का सम्मान कर रहे हैं, तो पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी समुदायों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने १८ अप्रैल को महिला आरक्षण विधेयक को रोकने के लिए विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा था कि सरकार के प्रयासों के बावजूद उनके विरोध ने महिलाओं के सपनों को कुचल दिया है।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में गूंजा महिला सम्मान का संदेश, छात्राओं को किया गया सम्मानित

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद के तहत संचालित विद्यालयों में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इसी क्रम में बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा में विविध शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना रहा। विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद छात्राओं द्वारा महान महिला विभूतियों के जीवन पर आधारित लघु नाटिकाएं प्रस्तुत की गईं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। बालिकाओं ने रानी लक्ष्मीबाई के साहस, सावित्रीबाई फुले के शिक्षा योगदान, कल्पना चावला के संघर्षमय जीवन तथा पी. वी. सिंधु की खेल उपलब्धियों को मंचन के माध्यम से जीवंत किया। कार्यक्रम में लोकसंस्कृति की झलक भी देखने को मिली। छात्राओं ने राजस्थान का घूमर, पंजाब का भांगड़ा, गुजरात का गरबा तथा उत्तर प्रदेश का कजरी गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। रंग–बिरंगे परिधानों और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। विद्यालय में आयोजित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। शिक्षकों एवं अभिभावकों ने भी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक राकेश कुमार पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की सशक्त धुरी है। आज महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन और सेना सहित हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही हैं। हमें बेटियों को समान अवसर, उत्तम शिक्षा और सम्मान देना चाहिए, तभी सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव है। विद्यालय का यह प्रयास छात्राओं में आत्मविश्वास जगाने तथा उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देने के लिए है। उन्होंने कहा कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं, आवश्यकता केवल उन्हें सही दिशा, अवसर और प्रोत्साहन देने की है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने महिला सम्मान, बालिका शिक्षा और नारी सशक्तिकरण का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

भीरा में पेयजल संकट से नागरिकों में भारी गुस्सा, ईओ की चुप्पी ने बढ़ाया आक्रोश

भीरा लखीमपुर खीरी।' नगर पंचायत भीरा में पिछले दो दिनों से शुद्ध पेयजल आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई है। भीषण गर्मी के बीच पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए जनता दर–दर भटकने को मजबूर है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह मौन साधे बैठे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी (ईओ) की कार्यशैली पूरी तरह मनमानी और निरंकुश हो चुकी है। न तो समय पर पानी की आपूर्ति हो रही है और न ही किसी प्रकार की आधिकारिक सूचना जनता को दी जा रही है। हालात यह हैं कि लोग घंटों इंतजार के बाद भी बूंद–बूंद पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। नागरिकों ने बताया कि समस्या को लेकर जब वे नगर पंचायत कार्यालय पहुंचते हैं तो उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिलता। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार 'हिटलरशाही' रवैया अपनाते हुए जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिससे लोगों में भारी रोष व्याप्त है। महिलाओं ने कहा कि बच्चों और बुजुर्गों को लेकर पानी के लिए दूर–दूर तक भटकना पड़ रहा है। टैंकर की भी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जनता ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पेयजल आपूर्ति सुचारू नहीं की गई और अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं हुई, तो वे मजबूर होकर उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर पेयजल संकट दूर करने की मांग की है।

तिलक समारोह के दौरान जेवर और नकदी चोरी का मामला सामने आया

लखीमपुर खीरी– तिलक समारोह के दौरान जेवर और नकदी चोरी का मामला सामने आया, सदर कोतवाली अंतर्गत मोहल्ला कंचनपुरी क लोनी निवासी अजय कुमार वर्मा ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई, १६ अप्रैल २०२६ को दिव्य ब्रम्ह ल न, संत निरंकारी भवन के सामने आयोजित उनके बेटे के तिलक कार्यक्रम में रात करीब ११ बजे अज्ञात व्यक्ति एक बैग लेकर फरार हो गया, चोरी गए सामान में करीब १.२५ लाख रुपये नकद, सोने–चांदी के आभूषण, झुमके, बिछिया और मोबाइल फोन शामिल बताए गए, घटना सीसीटीवी में कैद होने की बात कही गई, पीड़ित ने कार्रवाई की मांग की, पुलिस ने जांच शुरू की।

अनिल अंबानी की RCom पर CBI का शिकंजा, २६२६ करोड़ Bank Fraud केस में दो टॉप अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (ब्ठप्) ने २,६२६.०५ करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में रिलायंस के दो सीनियर अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, जाँच एजेंसी ने अनिल डी. अंबानी के नियंत्रण वाली कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के डी विश्वनाथ और अनिल कालिया को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के मुताबिक, इन दोनों ने संकटग्रस्त टेलीकॉम कंपनी के कॉर्पोरेट फाइनेंस और बैंकिंग कामकाज को संभालने में अहम भूमिका निभाई थी। जाँच ''एजेंसी ने बताया कि आरकॉम के जॉइंट प्रेसिडेंट डी विश्वनाथ ग्रुप के बैंकिंग कामकाज के पूरे इंचार्ज थे, और उन्हीं के निर्देशों पर पैसों का गलत इस्तेमाल किया गया। आरोपी कंपनी को लोन और अन्य सुविधाएँ मंजूर करवाने और उन्हें

जारी करवाने के लिए वे बैंकों के साथ तालमेल बिठाते थे। एसबीआई की शिकायत पर सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड अनिल डी. अंबानी और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया था। आरोप यह था कि बैंक ने आरोपी कंपनी को क्रेडिट सुविधाएँ मंजूर की थीं, लेकिन आरोपी कर्जदारों की धोखाधड़ी वाली हरकतों के कारण, इस सरकारी बैंक को लगभग २६२६.०५ करोड़ रुपये का गलत नुकसान उठाना पड़ा। गुरुवार को इससे पहले, दिल्ली की एक कोर्ट ने रिलायंस **Anil Ambani Group** (**RAAG**) के पूर्व सीनियर अधिकारियों अमिताभ झुनझुनवाला और अमित बापना को, कथित बैंक लोन ध ोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में, पांच दिन की **ED** हिरासत में भेज दिया। २४ पन्नों के इस आदेश में कहा गया है कि **ED** को पता चला है कि लोन की रकम कथित तौर पर उन शेल कंपनियों में भेजी गई थी, जिन्हें यह ग्रुप खुद 'कंट्रोल' करता था।

दिनदहाड़े धड़ल्ले से अवैध मिट्टी खनन, जेसीबी गरज रही, बच्चे जान जोखिम में डालकर जा रहे स्कूल

गोला गोकर्णनाथ खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र की ढकबा पुलिस पिकेट के निकट हर्निया गांव के समीप केशवापुर से ढकबा को जाने वाले मार्ग पर अवैध मिट्टी का खनन दिन के उजाले में धड़ल्ले से चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस की नाक के नीचे जेसीबी मशीनों से मिट्टी खोदी जा रही है और ओवरलोड डंपर फर्राटा भरते हुए निकल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी मार्ग से नन्हे मुन्ने बच्चे सुबह स्कूल जाते हैं और दोपहर को लौटते हैं। ओवरलोड डंपरों से उड़ने वाली ध ूल से बच्चों की ड्रेस गंदी हो जाती है, जिसके कारण उन्हें स्कूलों में डांट भी सुननी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि तेज रफ्तार डंपरों से सड़क पर चल रहे राहगीरों पर मिट्टी गिरती रहती है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। बताया जा रहा है कि केशवापुर में ढकबा रोड पर स्थित भट्ठे से नियमों को ताक पर रखकर अवैध खनन हो रहा है। केशवापुर में सप्ताह में दो दिन भारी बाजार लगता है। बाजार के दिन भी भीड़ भाड़ के बीच ओवरलोड मिट्टी के डंपर गुजरते रहते हैं। स्थानीय दुकानदारों और ग्राहकों में हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है। राहगीरों का आरोप है कि डंपर चालक मिट्टी ओवरलोड कर तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं। इससे सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब इसी रोड से थानाध

यक्ष हैदराबाद और चौकी इंचार्ज ढकबा बराबर निकलते हैं, तो क्या उन्हें अवैध खनन दिखाई नहीं देता। ग्रामीणों ने मांग की है कि बच्चों की सुरक्षा और जनहित को देखते हुए अवैध मिट्टी खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि कोई अनहोनी न हो। थानाध्यक्ष हैदराबाद खीरी, ने बताया कि विना परमीशन किसी भी प्रकार का मिट्टी का खनन नही हो रहा है,यदि कही हो रहा है तो उसके जुमामेदार खनन विभाग है।

सीडीओ अभिषेक कुमार की सख्ती रंग लाई, माह के अंत तक महिला अस्पताल का मेडिकल कॉलेज भवन में शिफ्टिंग तय

लखीमपुर खीरी। जिला महिला चिकित्सालय को मेडिकल कॉलेज के नवनिर्मित भवन में शिफ्ट करने की लंबे समय से

प्रतीक्षित प्रक्रिया अब अंतिम दौर में पहुंच गई है। सोमवार को सीडीओ अभिषेक कुमार ने स्वयं जिला महिला चिकित्सालय पहुंचकर व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। शिफ्टिंग में आ रही बाधाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या तकनीकी बाधा को अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मौके पर ही कार्यदायी संस्था को तलबकर लिफ्ट संचालन का ट्रायल अपने समक्ष करवाया तथा तकनीकी खामियों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। सीडीओ अभिषेक कुमार ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जनहित से जुड़ी इस महत्वपूर्ण शिफ्टिंग प्रक्रिया को किसी भी दशा में इस माह के अंत तक पूरा किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ युद्धस्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। मेडिकल कॉलेज भवन में शिफ्टिंग पूरी होने के बाद जिला महिला चिकित्सालय की मरीजों को बेहतर, आधुनिक एवं सुविधायुक्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। लंबे समय से प्रतीक्षित इस कदम से जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

राजस्थान रिफाइनरी में भीषण आग, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मौके पर

जयपुर। पचपदरा रिफाइनरी में एक बड़ी घटना हुई, जब क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (**CDU**) के अंदर भीषण आग लग गई। यह घटना उस दिन से ठीक एक दिन पहले हुई, जब प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सुविधा का उद्घाटन करने वाले थे। मिली आग से प्लांट के अंदर काफी अफरा–तफरी मच गईय वहीं, आपातकालीन टीमें आग को फैलने से रोकने के लिए तेजी से जुट गईं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज शाम करीब ४ बजे मौके पर जाकर जायजा लेने के लिए रिफाइनरी का दौरा

जानकारी के अनुसार, आग कुछ ही पलों में तेज हो गई, जिससे उस इलाके में मौजूद कर्मचारियों और स्टाफ के बीच अफरा–तफरी मच गई। घटना के बाद, दमकल की गाड़ियां कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुँच गईं और टीमों ने स्थिति को काबू में करने के लिए तुरंत काम शुरू कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी के घायल होने की कोई तत्काल रिपोर्ट नहीं मिली है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में आग लग गई। चूंकि मंगलवार को एक हाई– प्रोफाइल उद्घाटन समारोह होना है, इसलिए अचानक लगी इस करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है और तकनीकी टीमों द्वारा अपनी समीक्षा पूरी करने के बाद स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है। यहाँ यह बताना जरूरी है कि प्रधानमंत्री मंगलवार को भारत की पहली ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी– सह–पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करने वाले हैं। सरकारी आँकड़ों के अनुसार, इस परियोजना में ७६,४५० करोड़ रुपये से अधिक का निवेश शामिल है, जो इसे इस क्षेत्र के सबसे बड़े औद्योगिक विकास कार्यों में से एक बनाता है।

तीन साल की गुमशुदा बच्ची को गोला पुलिस ने मात्र दो घंटे मे परिजनो को मिलाया

गोला गोकर्णनाथ खीरी। दिनांक २०ध्०४ध्२६ को समय करीब ०१ बजे दोपहर के एक बच्ची जो अपने परिवार के साथ शिव मंदिर छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ आई थी। भीड़ में अपने परिवार से बिछड़ गई। अपना नाम, माता पिता का नाम एवं पता नहीं बता रही थी। विशाल बाजपेई मोहल्ला तीर्थ द्वारा बच्ची को अपने साथ लेकर थाना गोला पर लाया गया। जिसके पश्चात गोला कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह के आदेशानुसार गोला पुलिस टीम ने आस पास लोगो से बातचीत एवं संपर्क करके बच्ची के परिजनों का पता करके करीब २ घंटे में बच्ची को इसके माता पिता को सुपुर्द किया गया। कोतवाली प्रभारी अंबर सिंह ने बताया कि स्नेहा उम्र ३ वर्ष पुत्री सतीश पुत्र कन्हैया लाल जो कि निवासी ढका घनश्याम थाना बंड जिला शाहजहांपुर की रहने बाली थी जिसकी मां का नाम संध्या उम्र २४ वर्ष को संपूर्ण कर दिया गया है, जिसके पश्चात बच्चे की मां ने गोला पुलिस की भूरि भूरि प्रशंसा की है।

उत्तर प्रदेश के किसानों को योगी सरकार की बड़ी राहत, बिना ऑनलाइन पंजीकरण बेचें एमएसपी पर गेहूं

लखनऊ। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उत्तर प्रदेश के किसान अब अनिवार्य ऑनलाइन पंजीकरण के बिना सरकारी खरीद केंद्रों पर गेहूं बेच सकते हैं। यह निर्णय खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को होने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए लिया गया है। बयान में स्पष्ट किया गया है कि किसानों की पहचान और उनकी फसलों के सत्यापन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिजिटल प्रणाली श्किसान रजिस्ट्रीश अब अनिवार्य नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्देश दिया है। इस वर्ष की शुरुआत में, उत्तर प्रदेश में सरकारी खरीद केंद्रों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं बेचने के लिए किसानों के लिए किसान रजिस्ट्री अनिवार्य कर दी गई थी। हालांकि, कई किसान

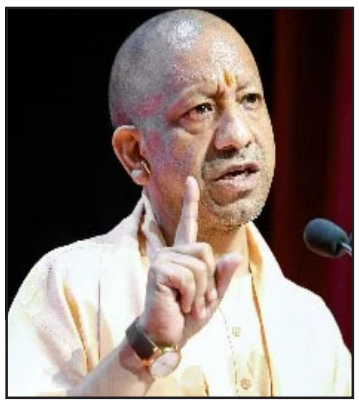

पंजीकरण पूरा नहीं कर पाए और उन्हें अपनी उपज बिचौलियों को कम कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। इन कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, मुख्यमंत्री ने हस्तक्षेप किया और नियम में ढील दी। संशोधित आदेश के तहत, किसान अब बिना पंजीकरण के खरीद केंद्रों पर गेहूं बेच सकते हैं, जैसा कि पिछले वर्षों में होता था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि किसान पहले की तरह गेहूं बेच सकेंगे और अधिकारियों को निर्देश दिया कि खरीद केंद्रों पर किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। चल रही भीषण गर्मी को देखते हुए, उन्होंने अधिकारियों को किसानों के लिए पीने का पानी, पंखे, छांव और अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अनुसार, २० अप्रैल को सुबह ११ बजे तक ४२,००० से अधिक किसानों से २.३८ लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीद की जा चुकी थी। वहीं, अब तक ४.७७ लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है और राज्य भर में ५,४०० से अधिक खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं।

महिला आरक्षण बिल गिरने पर अखिलेश यादव का पलटवार, बीजेपी की मंशा पर उठाए सवाल

लखनऊ। महिला आरक्षण बिल के संसद में गिरने के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी ने नैतिक रूप से सरकार में बने रहने का अधिकार खो दिया है। उनका आरोप है कि बीजेपी इस बिल के जरिए महिलाओं का भला नहीं, बल्कि उनके साथ धोखा कर रही थी। सपा प्रमुख ने स्पष्ट किया कि वे आरक्षण के विरोध में नहीं हैं, बल्कि वे बीजेपी की गलत नियत के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी ३३ फीसदी आरक्षण देने के बजाय महिलाओं का हक छीनना चाहती थी। अखिलेश ने कहा कि इस बिल में वोट बैंक की राजनीति छिपी थी और बीजेपी नहीं चाहती थी कि जनगणना के जरिए जातिवार आंकड़े सामने आएं। उन्होंने दावा किया कि लोकतंत्र को बचाने की मुहिम में वे सफल रहे हैं। अखिलेश यादव ने जोर देकर कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए केवल कानून बनाना काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक सामाजिक बाधाओं को दूर नहीं किया जाएगा, पारिवारिक जिम्मेदारियों के नाम पर आने वाली मानसिक जकड़न को तोड़ा नहीं जाएगा और स्कूली स्तर से महिलाओं का आत्मविश्वास नहीं बढ़ाया जाएगा, तब तक यह आरक्षण केवल एक श्सांकेतिकश बनकर रह जाएगा। उनका मानना है कि सच्चा नेतृत्व तभी उभरेगा जब महिलाओं की सही गिनती होगी और उन्हें उनका वाजिब हक मिलेगा।

बेटी नीसा के जन्मदिन पर काजोल और अजय देवगन ने लुटाया प्यार

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल और अभिनेता अजय देवगन अपनी प्यारी बेटी नीसा देवगन पर प्यार बरसाने का मौका नहीं छोड़ते हैं और आज जन्मदिन के मौके पर दोनों ने दिल खोलकर लुटाया है। काजोल और अजय ने बेटी नीसा को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। अजय देवगन ने नीसा देवगन की

अनसीन बचपन की फोटो शेयर की है, जिसमें वे किसी बर्थडे पार्टी में दिख रही है और उनके चेहरे पर बहुत प्यारी स्माइल है,जबकि दूसरी फोटो में वे अपनी मां काजोल के साथ दिख रही हैं। फोटो देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि नीसा के फेस फीचर्स अपनी मां काजोल जैसे ही हैं। नीसा अपनी मां की कार्बन कॉपी लग रही हैं। अजय देवगन ने प्यारी फोटो के साथ प्यारा सा कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने लिखा, "तुम्हारी ये मुस्कान मुझे हमेशा याद रहती है। जब भी मैं तुम्हें देखता हूं, तो तुम्हारा वही रूप हमेशा मेरे दिलों में बसा रहता है। तुम हमेशा इसी खुशी से मुस्कुराती रहो। जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यारी बच्ची। काजोल ने भी नीसा को जन्मदिन की बधाई दी है और दुर्गा पंडाल की फोटोज पोस्ट की हैं। फोटो में काजोल ने नीसा को अपनी बांहों में ले रखा है और उन पर प्यार लुटाती दिख रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "मैं बहुत भाग्यशाली हूं क्योंकि उसके जन्म से मेरी दुनिया बदल गई। मैं हर दिन भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं, मेरी प्यारी बच्ची, तुम परिपूर्ण हो और हमेशा मेरी रहोगी। तुम्हें और मुझे जन्मदिन की बहुत–बहुत शुभकामनाएं।" पोस्ट में काजोल ने नीसा के साथ खुद को भी जन्मदिन की बधाई दी है, क्योंकि बच्चे के जन्म के साथ मां का भी नया जन्म भी माना जाता है। बता दें कि नीसा देवगन सोशल मीडिया की चर्चित स्टारकिड है। सोशल मीडिया पर नीसा को उनके लुक और रंग को लेकर बहुत ट्रोल किया गया था, जिसे लेकर काजोल ने इंटरव्यू में दुख भी जाहिर किया था। अभिनेत्री ने साफ किया था कि वे नीसा को ट्रोलिंग नजरअंदाज करने की सलाह देती हैं, लेकिन जो कुछ नीसा के बारे में सोशल मीडिया पर कहा जाता है, वो दुख देने वाला होता है। हालांकि अब नीसा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी के साथ रील पोस्ट कर छाई रहती हैं।

एआई तकनीक के साथ लॉन्च हुआ फिल्म 'कृष्णा' का टीजर

मुम्बई। आज के दौर में फिल्म बनाने का तरीका तेजी से बदल रहा है। जहां पहले फिल्मों में सेट, लोकेशन और वीएफएक्स पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था, वहीं अब नई तकनीकें इस इंडस्ट्री को पूरी तरह बदल रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल अब फिल्मों में भी बड़े स्तर पर होने लगा है। इसी बदलाव की झलक हाल ही में देखने को मिली, जब फिल्म 'कृष्णा' का टीजर एक बड़े इवेंट एनएबी शो २०२६ में लॉन्च किया गया। इस फिल्म का निर्देशन मनु आनंद कर रहे हैं। इसमें शुरुआत से लेकर आखिर तक एआई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि, फिल्म की कहानी और भावनाएं पूरी तरह निर्देशक के विजन पर आधारित है। यह फिल्म 'हिस्ट्रीवर्स' नाम के एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसे कलेक्टिव स्टूडियोज तैयार कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारतीय इतिहास और पौराणिक कथाओं को बड़े स्तर पर पेश करना है। इसमें काली, कर्ण और दुर्गा जैसे कई प्रसिद्ध किरदारों की कहानियों को शामिल किया जाएगा। फिल्म 'कृष्णा' को कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क और जियो स्टूडियोज मिलकर बना रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में गैलेरी५ नाम का एक खास एआई प्लेटफॉर्म इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क ने तैयार किया है। यह प्लेटफॉर्म माइक्रोसॉफ्ट एज्योर की एडवांस तकनीक पर आधारित है। फिल्म की पहली झलक को माइक्रोसॉफ्ट के कार्यक्रम 'एनएबी शो २०२६' में पेश किया गया। इस मौके पर जियो स्टूडियोज की प्रेसिडेंट ज्योति देशपांडे ने कहा, "हमारा लक्ष्य हमेशा से भारतीय कहानियों को

वैश्विक स्तर पर पहुंचाना रहा है। इस फिल्म के जरिए हम नई तकनीक को अपनाते हुए कहानी कहने के तरीके को और बेहतर बना रहे हैं। ऐसी तकनीकों को आम क्रिएटर्स के लिए आसान और सस्ता बनाना जरूरी है, ताकि ज्यादा लोग अपनी कहानियां दुनिया तक पहुंचा सकें। वहीं, कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क के ग्रुप सीईओ और फाउंडर विजय सुब्रमण्यम ने कहा यह फिल्म भारतीय संस्कृति को दुनिया तक पहुंचाने का एक नया तरीका है। भारत में विकसित हो रही तकनीक के जरिए अब हमारी कहानियां पहले से कहीं ज्यादा बड़े स्तर पर दुनिया के सामने आ सकती हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191.
9026560178

Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक